नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत सत्र 2023-24 से पाठ्यपुस्तकों को पुनर्संयोजित किया गया है। यह संजीव पास बुक्स पूर्णतः नवीन पुनर्संयोजित पाठ्यपुस्तकों पर आधारित है।

पास बुक्स में नं. 1

संजीव®

पास बुक्स

अर्थशास्त्र-XII

व्यष्टि अर्थशास्त्र एक परिचय (भाग-1)
एवं
समष्टि अर्थशास्त्र एक परिचय (भाग-2)
(कक्षा 12 के कला एवं वाणिज्य वर्ग के विद्यार्थियों के लिए नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार)

- माध्य. शिक्षा बोर्ड मॉडल पेपर 2022-23 एवं बोर्ड पेपर 2023 के प्रश्नों का अन्दर समावेश
- पाठ्यपुस्तक के सभी अभ्यास प्रश्नों का हल
- सभी प्रकार के अन्य महत्वपूर्ण प्रश्नों का समावेश
- योग्य एवं अनुभवी लेखकों द्वारा लिखित
- प्रथम श्रेणी प्राप्त करने के लिए पूर्ण सामग्री

2024

संजीव प्रकाशन,
जयपुर

मूल्य : ₹ 360/-

- प्रकाशक :

  संजीव प्रकाशन

  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता,

  जयपुर-3

  email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
  website : www.sanjivprakashan.com

- © प्रकाशकाधीन

- **मूल्य : ₹ 360.00**

- लेजर कम्पोजिंग :

  संजीव प्रकाशन (D.T.P. Department), जयपुर

- मुद्रक :

  आधुनिक बुक वाईन्डर, जयपुर

  ****

❖ इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं—

email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
पता : प्रकाशन विभाग संजीव प्रकाशन
धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर

आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।

❖ इस पुस्तक में प्रकाशित किसी त्रुटि के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए लेखक, प्रकाशक, संपादक तथा मुद्रक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं हैं।

❖ सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र 'जयपुर' होगा।

विषय–सूची

व्यष्टि अर्थशास्त्र एक परिचय–भाग-1

1. परिचय 1–20

2. उपभोक्ता के व्यवहार का सिद्धान्त 21–73

3. उत्पादन तथा लागत 74–118

4. पूर्ण प्रतिस्पर्धा की स्थिति में फर्म का सिद्धान्त 119–155

5. बाजार सन्तुलन 156–190

समष्टि अर्थशास्त्र एक परिचय–भाग-2

1. परिचय 191–203

2. राष्ट्रीय आय का लेखांकन 204–248

3. मुद्रा और बैंकिंग 249–277

4. आय और रोजगार के निर्धारण 278–304

5. सरकारी बजट एवं अर्थव्यवस्था 305–340

6. खुली अर्थव्यवस्था : समष्टि अर्थशास्त्र 341–368

❑❑❑

ये हम नहीं कहते,

जमाना कहता है

संजीव पास बुक्स है नं. 1

दैनिक नवज्योति
जयपुर, 6 जुलाई, 2022

राजस्थान का
प्रमुख दैनिक

विद्यार्थियों में सर्वाधिक लोकप्रिय संजीव पास बुक्स

जयपुर। लम्बे समय से संजीव पास बुक्स अपनी उच्च गुणवत्तायुक्त पाठ्यसामग्री, नवीनतम घटनाक्रम, प्रमाणित आँकड़ों तथा सरल भाषा के कारण विद्यार्थियों में सर्वाधिक लोकप्रिय बनी हुई है। लाखों विद्यार्थी संजीव पास बुक्स से अध्ययन कर सफलता अर्जित कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि स्कूल स्तर के विद्यार्थियों के लिए कक्षा 3 से 9 के लिए संजीव आल इन वन, कक्षा 9 से 12 के लिए अलग-अलग विषय पर संजीव पास बुक्स, अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के लिए कक्षा 5 से 8 के लिए संजीव रिफ्रेशर आल इन वन, कक्षा 9 से 12 के लिए अलग-अलग विषय पर संजीव रिफ्रेशर प्रकाशित की जाती हैं। इनके अलावा अंग्रेजी विषय को आसानी से समझने के लिए कक्षा 6 से 12 के लिए संजीव इंग्लिश कोर्स तथा विज्ञान के विद्यार्थियों की सुविधा के लिए कक्षा 11 एवं 12 के लिए उच्चस्तरीय संजीव साइन्स की पाठ्यपुस्तकें भी प्रकाशित की जाती हैं। कॉलेज स्तर पर भी राजस्थान के सभी प्रमुख विश्वविद्यालयों यथा—राजस्थान, भरतपुर, अलवर, सीकर, अजमेर, बीकानेर, कोटा एवं जोधपुर विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमानुसार प्रथम वर्ष से एम.ए. तक के लिए संजीव पास बुक्स प्रकाशित की जाती हैं। संजीव पास बुक्स की लोकप्रियता के बारे में विद्यार्थियों से बात करने पर उन्होंने बताया कि इसमें उन्हें सरल भाषा में पूरा पाठ्यक्रम, पर्याप्त संख्या में प्रश्न-उत्तर, प्रमाणित आँकड़े, नवीनतम जानकारी उचित मूल्य पर उपलब्ध हो जाती है। इसीलिये सभी विद्यार्थी सहायक पुस्तकों के रूप में संजीव पास बुक्स को ही खरीदना पसन्द करते हैं। संजीव प्रकाशन के निदेशक प्रदीप मित्तल एवं मनोज मित्तल के अनुसार संजीव पास बुक्स सहित अन्य सभी पुस्तकें पूर्णतः नवीनतम पाठ्यपुस्तकों एवं नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार तैयार कराई जाती हैं। प्रत्येक विषय की पुस्तक को योग्य तथा अनुभवी विशेषज्ञ प्राध्यापकों से लिखवाया जाता है। इन्हें समय-समय पर पूर्णतः संशोधित तथा अपडेट भी कराया जाता है। इससे सहायक पुस्तकों के रूप में विद्यार्थियों के लिए ये बहुत उपयोगी हो जाती हैं। इन्हीं कारणों से संजीव प्रकाशन द्वारा प्रकाशित संजीव पास बुक्स, संजीव इंग्लिश कोर्स, संजीव साइंस पाठ्यपुस्तकें, संजीव रिफ्रेशर आदि पुस्तकें कक्षा 3 से एम.ए. तक के विद्यार्थियों में अत्यन्त लोकप्रिय हैं।

संजीव पास बुक्स कक्षा 3 से एम. ए. के लिए

प्रकाशक—संजीव प्रकाशन, जयपुर-3

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2023

अर्थशास्त्र
(ECONOMICS)

समय : 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 80**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर अपना नामांक अनिवार्यत: लिखें।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
6. प्रश्न-पत्र के हिन्दी व अंग्रेजी रूपान्तर में किसी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही मानें।
7. प्रश्न क्रमांक **21** से **23** में आन्तरिक विकल्प हैं। किसी एक विकल्प को हल कीजिए।

खण्ड-अ (SECTION-A)

1. बहुविकल्पी प्रश्न :

Multiple Choice Questions :

(i) समष्टि अर्थशास्त्र का अध्ययन क्षेत्र है— [1]
(अ) उपभोक्ता की रुचि (ब) एक फर्म का व्यवहार
(स) वस्तु की कीमत (द) सामान्य कीमत स्तर

(ii) पूँजी को उसके उपयोग के बदले प्राप्त होता है— [1]
(अ) लगान (ब) ब्याज (स) मजदूरी (द) लाभ

(iii) भारत में सकल राष्ट्रीय उत्पाद का आकलन करता है— [1]
(अ) रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया (ब) नीति आयोग
(स) केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन (द) वित्त आयोग

(iv) डिजिटल भुगतान का सरल तरीका है— [1]
(अ) ई-वॅलेट्स (ब) चैक
(स) ड्राफ्ट (द) बैंक पास बुक

(v) बैंकों के लिए अंतिम ऋणदाता होता है— [1]
(अ) सरकार (ब) केन्द्रीय बैंक (स) ग्राहक (द) वाणिज्यिक बैंक

(vi) प्रेरित उपभोग (cY) निर्भर करता है— [1]
(अ) ब्याज पर (ब) आय पर
(स) कीमत स्तर पर (द) करों पर

(vii) केन्द्रीकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था में महत्त्वपूर्ण निर्णय कौन लेता है— [1]
(अ) सरकार (ब) बाजार (स) बैंक (द) उपभोक्ता

(viii) निम्नलिखित में निम्नस्तरीय वस्तु का एक उदाहरण है— [1]
(अ) आभूषण (ब) आधुनिक पोशाक (स) मोटा अनाज (द) स्मार्ट फोन

(ix) उत्पादन फलन को व्यक्त कर सकते हैं— [1]
(अ) $q = f(L, K)$ (ब) $q = f(L + K)$
(स) $q = f(L - K)$ (द) $q = f(L \div K)$

(x) कुल लागत और कुल परिवर्ती लागत के मध्य अंतर होता है— [1]
(अ) औसत लागत के बराबर (ब) सीमांत लागत के बराबर
(स) औसत स्थिर लागत के बराबर (द) कुल स्थिर लागत के बराबर

(xi) दीर्घकालीन औसत लागत वक्र को दीर्घकालीन सीमान्त लागत वक्र सदैव काटता है— [1]
(अ) उच्चतम बिंदु पर (ब) न्यूनतम बिंदु पर
(स) उच्चतम बिंदु से नीचे (द) मध्य बिंदु से ऊपर

(xii) कौन-से बाजार में फर्में सामूहिक लाभों के लिए 'कार्टेल' बना लेती हैं— [1]
(अ) एकाधिकार (ब) पूर्ण प्रतियोगिता (स) द्वयाधिकार (द) अल्पाधिकार

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

Fill in the blanks :

(i) एडम स्मिथ की प्रसिद्ध पुस्तक 'वेल्थ ऑफ नेशन्स'.....वर्ष में प्रकाशित हुई। [1]
Adam Smith's Famous book 'Wealth of Nations' published in year..... .

(ii) सकल निवेश से.....घटाने पर निबल निवेश प्राप्त होता है। [1]
Substract ..... from grass investment then get net investment.

(iii) प्रत्याशित समस्त माँग, कुल प्रत्याशित उपभोग व्यय और ..... का योग होती है। [1]
The ex ante aggregate demand is the sum of the total ex ante consumption expenditure and ..... .

(iv) सड़के तथा सरकारी प्रशासन, जिन्हें.....वस्तुएँ कहा जाता है। [1]
Roads and government administration are called ..... goods.

(v) ..... गैर-योजनागत राजस्व व्यय का एक सबसे बड़ा घटक है। [1]
..... is the single largest component of non-plan revenue expenditure.

(vi) चाय व कॉफी जैसी वस्तुएँ.....वस्तुओं का उदाहरण हैं। [1]
Tea and coffee are just like example of ..... goods.

3. निम्न प्रश्नों के उत्तर 10-20 शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in **10-20** words :

(i) निर्यात से आप क्या समझते हैं? [1]
What do you understand by export?

(ii) स्टॉक को परिभाषित कीजिए। [1]
Define stock.

(iii) बैंक दर से क्या अभिप्राय है? [1]
What is meant by bank rate?

(iv) निर्गत गुणक का सूत्र लिखिए। [1]
Write the formula of investment multiplier.

(v) उपभोग माँग सर्वाधिक किस पर निर्भर करती है? [1]
What does consumption demand depend the most on?

(vi) करों में परिवर्तन से आय के संतुलन पर प्रभाव को रेखाचित्र से दर्शाइये। [1]
Diagramatically show the effect of change in tax on the income equilibrium.

(vii) पूँजी खाते से आपका क्या अभिप्राय है? [1]
What do you mean by capital account?

(viii) गणनावाचक उपयोगिता विश्लेषण क्या है? [1]
What is ordinal utility analysis?

(ix) अनधिमान मानचित्र से आप क्या समझते हैं? [1]
What do you understand by indifference map?

(x) अल्पकाल को संक्षेप में समझाइये। [1]
Explain short run in brief.

(xi) औसत स्थिर लागत की आकृति कैसी होती है? [1]
What is the shape of average fixed cost?

(xii) कुल परिवर्ती लागत का रेखाचित्र बनाइये। [1]
Draw the diagram of total variable cost.

खण्ड-ब (SECTION-B)

निम्न प्रश्नों के उत्तर 30-40 शब्दों में दीजिए :
Answer the following questions in **30-40** words :

4. दिये गये मूल्यों से बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद की गणना कीजिए-(करोड़ में) [2]
C = 1,000, I = 1,500, G = 500, X = 250, M = 750
Calculate the gross domestic production on market price by given values — (In Crore)
C = 1,000, I = 1,500, G = 500, X = 250, M = 750
5. वस्तु विनिमय प्रणाली को समझाइये। [2]
Explain the barter system.
6. मितव्ययता के विरोधाभास से आप क्या समझते हैं? [2]
What do you meant by Paradox of thrift?
7. घरेलू क्षेत्र में उपभोग व्यय के वर्गीकरण को समझाइये। [2]
Explain the classification of consumption expenditure in domestic area.
8. सरकारी व्यय में परिवर्तन से संतुलन आय में होने वाले परिवर्तन को रेखाचित्र की सहायता से समझाइये। [2]
Explain the effect of change in government expenditure on the income equilibrium with the help of diagram.
9. यदि भारत के अदायगी-संतुलन के निम्न माप दिए हैं— [1+1=2]
आयात = 1,500 मि. डॉ., निर्यात = 2,400 मि. डॉ., अदृश्य मदें = 520, तो व्यापार संतुलन एवं चालू खाते का शेष की गणना कीजिए।
If given values of balance of payments in India as follows.
Import = 1,500 Million USD, Export = 2,400 Million USD, Invisibles = 520 then calculate trade balance and current account balance?
10. व्यष्टि अर्थशास्त्र एवं समष्टि अर्थशास्त्र में कोई दो अंतर लिखिए। [1+1=2]
Write any two differences between micro and macro economics.
11. बाजार अर्थव्यवस्था की कोई दो विशेषताएँ लिखिए। [1+1=2]
Write any two characteristics of market economy.
12. सामान्य वस्तुएँ और निम्नस्तरीय वस्तुओं में भेद कीजिए। [2]
Distinguish between normal goods and inferior goods.
13. उत्पादन फलन की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। [2]
Explain briefly the production functions.
14. पूर्ण प्रतियोगी बाजार में 'कीमत स्वीकारक व्यवहार' को समझाइये। [2]
Explain the 'price taking behaviour' in perfect competition market.
15. मान लीजिए गेहूँ के लिए बाजार माँग वक्र तथा बाजार पूर्ति वक्र का मान क्रमशः $q^D = 200 - p$, $q^s = 120 + p$ है तो संतुलन कीमत तथा संतुलन मात्रा ज्ञात कीजिए। [1+1=2]
Suppose given values of market demand and market supply respectively are $q^D = 200 - p$, $q^s = 120 + p$: then calculate the equilibrium price and equilibrium quantity.
16. नीचे दी गई सारणी से कुल संप्राप्ति की गणना कीजिए- [$^1/_2+^1/_2+^1/_2+^1/_2=2$]

मात्र (Q)	1	2	3	4
कीमत (P)	22	19	16	13
कुल संप्राप्ति	?	?	?	?

Calculate the total revenue by below given table—

Quantity (Q)	1	2	3	4
Price (P)	22	19	16	13
Total Revenue	?	?	?	?

खण्ड-स (SECTION-C)

निम्न प्रश्नों के उत्तर 60-80 शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in **60-80** words :

17. राजस्व घाटा, राजकोषीय घाटा एवं प्राथमिक घाटा को समझाइये। [3]
Explain the revenue deficit, fiscal deficit and primary deficit.

18. 'वास्तव में अधिकांश अर्थव्यवस्थाएँ खुली हैं।' इसे स्थापित करने के तीन तरीकों का वर्णन कीजिए। [3]
'In reality, most modern economics are open'. Describe any three ways to established it.

19. उपभोक्ता के इष्टतम चयन को बजट रेखा कैसे नियमित करती है? समझाइये। [3]
How to regulate budget line to consumer's optimum choice? Explain.

20. एकाधिकारी फर्म के बाजार माँग वक्र को रेखाचित्र की सहायता से समझाइये। [3]
Explain market demand curve of monopoly firm with the help of diagram.

खण्ड-द (SECTION-D)

निम्न प्रश्नों के उत्तर 100-150 शब्दों में दीजिए।

Answer the following questions in **100-150** words :

21. मुद्रा की पूर्ति में केन्द्रीय बैंक एवं व्यावसायिक बैंकों की भूमिका की व्याख्या कीजिए। [4]
Discuss the role of central bank and commercial banks in money supply.

अथवा/OR

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मुद्रा पूर्ति नियंत्रण के उपायों का वर्णन कीजिए। [4]
Explain the measures of money supply control by Reserve Bank of India.

22. रेखाचित्र की सहायता से माँग के नियम की व्याख्या कीजिए। [4]
Explain law of demand with the help of diagram.

अथवा/OR

बाजार माँग को एक उपयुक्त रेखाचित्र की सहायता से समझाइये। [4]
Explain market demand with the help of a suitable diagram.

23. पूर्ण प्रतिस्पर्धी बाजार में 'उत्पादन बंदी बिंदु' को रेखाचित्र की सहायता से समझाइये। [4]
Explain the 'shutdown point' in perfect competition market with the help of diagram.

अथवा/OR

निम्न स्थितियों में बाजार संतुलन में परिवर्तन को रेखाचित्र की सहायता से समझाइये : [2+2=4]
(i) मांग में शिफ्ट (ii) पूर्ति में शिफ्ट
Explain changes in market equilibrium in following conditions with the help of diagram—
(i) Shift in demand (ii) Shift in supply

अर्थशास्त्र कक्षा-XII (भाग-1)
व्यष्टि अर्थशास्त्र–एक परिचय
1. परिचय

पाठ-सार

सामान्य अर्थव्यवस्था–

समाज में लोगों को जीवन यापन के लिए विभिन्न वस्तुओं एवं सेवाओं की आवश्यकता होती है। सामान्यत: एक व्यक्ति की सभी आवश्यकताएँ पूरी नहीं होती हैं। प्रत्येक व्यक्ति जितनी वस्तुओं या सेवाओं का उपभोग करना चाहता है उनमें से कुछ ही उसे उपलब्ध हो पाती हैं। समाज में लोग विभिन्न वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन करते हैं तथा इस उत्पादन का एक अंश वे अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने में करते हैं। हर व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपने संसाधनों का उपयोग कर सकता है, किन्तु लोगों की आवश्यकताएँ अधिक होती हैं तथा उनकी पूर्ति के लिए उसके पास संसाधन सीमित होते हैं। अत: लोग वस्तुओं एवं सेवाओं में से कुछ का चयन करने को बाध्य हो जाते हैं तथा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सीमित संसाधनों का उत्कृष्ट प्रयोग करना पड़ता है।

समाज का प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी वस्तु या सेवा का उत्पादन करता है। किसी भी अर्थव्यवस्था में लोगों की सामूहिक आवश्यकताओं तथा उनके द्वारा किए गए उत्पादन के बीच सुसंगतता होनी चाहिए। यदि किसी वस्तु या सेवा की पूर्ति माँग की तुलना में कम है तो दूसरी वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के लिए उपयोग में लाए जा रहे संसाधनों का पुन: विनिधान उस वस्तु के उत्पादन के लिए किया जा सकता है। समाज के सामने सीमित संसाधनों का विनिधान तथा अन्तिम वस्तुओं एवं सेवाओं का वितरण मूलभूत आर्थिक समस्याएँ हैं।

अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्याएँ–प्रत्येक समाज को उत्पादन, विनिमय तथा उपभोग जैसी आधारभूत आर्थिक क्रियाओं में संसाधनों की कमी का सामना करना पड़ता है, जिस कारण चयन की समस्या का जन्म होता है। अर्थव्यवस्था की प्रमुख केन्द्रीय समस्याएँ निम्न प्रकार हैं—

(1) किन वस्तुओं का उत्पादन किया जाए और कितनी मात्रा में?

(2) इन वस्तुओं का उत्पादन कैसे करते हैं?

(3) इन वस्तुओं का उत्पादन किसके लिए किया जाए?

उपलब्ध संसाधनों की कुल मात्रा के परिप्रेक्ष्य में उन संसाधनों का विभिन्न रूपों में विनिधान संभव है और उससे सभी संभावित वस्तुओं तथा सेवाओं के विभिन्न मिश्रणों को प्राप्त किया जा सकता है। उपलब्ध संसाधनों की मात्रा तथा उपलब्ध प्रौद्योगिक ज्ञान के द्वारा उत्पादित की जा सकने वाली सभी वस्तुओं तथा सेवाओं के सभी संभावित संयोगों के समूह को अर्थव्यवस्था का उत्पादन संभावना सेट कहते हैं तथा इनसे निर्मित वक्र को सीमान्त उत्पादन संभावना कहते हैं। प्रत्येक अर्थव्यवस्था को अपने पास उपलब्ध अनेक संभावनाओं में से किसी एक का चयन करना पड़ता है।

आर्थिक क्रियाकलापों का आयोजन–अर्थव्यवस्था की आधारभूत समस्याओं का निम्न तरीकों से समाधान किया जा सकता है—

(1) केन्द्रीकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था–केन्द्रीकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था के अन्तर्गत सरकार अथवा केन्द्रीय सत्ता द्वारा वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन, विनिमय तथा उपभोग से सम्बद्ध सभी महत्त्वपूर्ण निर्णय किए जाते हैं।

(2) बाजार अर्थव्यवस्था–केन्द्रीकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था के विपरीत बाजार अर्थव्यवस्था में सभी आर्थिक क्रियाकलापों का निर्धारण बाजार की स्थितियों के अनुसार होता है। बाजार अर्थव्यवस्था में उत्पादन, विनिमय तथा उपभोग सम्बन्धी निर्णय बाजार शक्तियों अर्थात् माँग एवं पूर्ति की शक्तियों के द्वारा होता है। बाजार अर्थव्यवस्था में केन्द्रीय समस्याओं के समाधान हेतु कीमत के माध्यम से विभिन्न आर्थिक क्रियाकलापों में समन्वय होता है।

इन दोनों अर्थव्यवस्थाओं के अतिरिक्त मिश्रित अर्थव्यवस्थाओं में महत्त्वपूर्ण निर्णय सरकार द्वारा लिए जाते हैं तथा आर्थिक क्रियाकलाप प्रायः बाजार द्वारा ही किए जाते हैं।

सकारात्मक तथा आदर्शक अर्थशास्त्र–अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्याओं को सुलझाने हेतु अनेक विधियाँ हैं, किन्तु कौनसी विधि किसी अर्थव्यवस्था के लिए सबसे अच्छी है, इसका पता लगाने हेतु इन कार्यविधियों का तथा इनके परिणामों का विश्लेषण करना पड़ता है। ये दो प्रकार का हो सकता है—

(1) सकारात्मक आर्थिक विश्लेषण–सकारात्मक आर्थिक विश्लेषण के अन्तर्गत हम यह अध्ययन करते हैं कि विभिन्न क्रियाविधियाँ किस प्रकार कार्य करती हैं।

(2) आदर्शक आर्थिक विश्लेषण–आदर्शक आर्थिक विश्लेषण में हम यह समझने का प्रयास करते हैं कि ये क्रियाविधियाँ अर्थव्यवस्था के अनुकूल भी हैं या नहीं।

व्यष्टि अर्थशास्त्र तथा समष्टि अर्थशास्त्र–अर्थशास्त्र की विषय-वस्तु का अध्ययन निम्न दो व्यापक शाखाओं के अन्तर्गत किया जाता रहा है—

(1) व्यष्टि अर्थशास्त्र–व्यष्टि अर्थशास्त्र के अन्तर्गत हम बाजार में उपलब्ध विभिन्न वस्तुओं तथा सेवाओं के परिप्रेक्ष्य में विभिन्न आर्थिक अभिकर्त्ताओं के व्यवहार का अध्ययन करके यह जानने का प्रयास करते हैं कि इन बाजारों में व्यक्तियों की अंतःक्रिया द्वारा वस्तुओं तथा सेवाओं की मात्राएँ और कीमतें किस प्रकार निर्धारित होती हैं।

(2) समष्टि अर्थशास्त्र–समष्टि अर्थशास्त्र के अन्तर्गत हम कुल निर्गत, रोजगार तथा समग्र कीमत स्तर आदि समग्र उपायों पर अपना ध्यान केन्द्रित करते हुए पूरी अर्थव्यवस्था को समझने का प्रयास करते हैं। समष्टि अर्थशास्त्र में हम अर्थव्यवस्था के कार्य निष्पादन की समग्र अथवा समष्टिगत उपायों के व्यवहार का अध्ययन करने का प्रयास करते हैं।

पाठ्यपुस्तक के प्रश्न

प्रश्न 1. अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्याओं की विवेचना कीजिए।

उत्तर–अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्याएँ–प्रत्येक समाज में वस्तुओं एवं सेवाओं के उत्पादन, विनिमय तथा उपभोग के दौरान लोगों को संसाधनों की कमी का सामना करना पड़ता है जिस कारण उनके सम्मुख चयन की मुख्य समस्या उत्पन्न हो जाती है। सीमित संसाधनों का विनिधान तथा अंतिम वस्तुओं एवं सेवाओं का वितरण ही किसी भी अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्याएँ हैं। सामान्यतः एक अर्थव्यवस्था की प्रमुख केन्द्रीय समस्याएँ निम्न प्रकार हैं—

(1) किन वस्तुओं का उत्पादन किया जाए और कितनी मात्रा में ?–प्रत्येक समाज अथवा अर्थव्यवस्था के सामने सबसे बड़ी समस्या यह है कि अर्थव्यवस्था में किन-किन वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन किया जाए तथा कितनी मात्रा में उत्पादन किया जाए? इस समस्या के अन्तर्गत अर्थव्यवस्था में यह निर्णय किया जाता है कि कृषिजनित वस्तुओं का उत्पादन किया जाए या औद्योगिक वस्तुओं का, शिक्षा पर अधिक व्यय किया जाए या सैन्य सेवाओं पर, बुनियादी शिक्षा पर अधिक व्यय किया जाए या उच्च शिक्षा पर, उपभोग वस्तुओं का उत्पादन किया जाए या पूँजीगत वस्तुओं का। इसके साथ ही यह भी निर्णय किया जाता है कि इन वस्तुओं एवं सेवाओं का कितनी मात्रा में उत्पादन किया जाए ताकि अर्थव्यवस्था की आवश्यकताओं की पूर्ति हो सके।

(2) इन वस्तुओं का उत्पादन कैसे करते हैं?–एक अर्थव्यवस्था की दूसरी महत्त्वपूर्ण केन्द्रीय समस्या यह है कि विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं से उत्पादन करते समय किस-किस वस्तु या सेवा में किस-किस संसाधन की कितनी मात्रा का उपयोग किया जाए? इसके अन्तर्गत यह निर्णय लिया जाता है कि उत्पादन करते समय श्रम का अधिक उपयोग करना है अथवा मशीनों का अधिक उपयोग करना है तथा उत्पादन करने हेतु किस तकनीक का प्रयोग किया जाए?

(3) इन वस्तुओं का उत्पादन किसके लिए किया जाए?—एक अर्थव्यवस्था की यह महत्त्वपूर्ण समस्या है कि अर्थव्यवस्था में उत्पादित वस्तुओं की कितनी मात्रा किसे प्राप्त होगी अर्थात् अर्थव्यवस्था के उत्पादन को व्यक्ति विशेष के बीच किस प्रकार विभाजित किया जाएगा? इसके अन्तर्गत यह निर्णय लिया जाता है कि उत्पादन को विभिन्न व्यक्तियों में इस प्रकार विभाजित किया जाए ताकि सभी लोगों की उपभोग की न्यूनतम आवश्यकताएँ पूरी हो सकें। साथ ही यह निर्णय किया जाता है कि क्या शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सेवाएँ अर्थव्यवस्था के सभी व्यक्तियों को नि:शुल्क उपलब्ध करवायी जाएँ?

प्रश्न 2. अर्थव्यवस्था की उत्पादन संभावनाओं से आपका क्या अभिप्राय है?

उत्तर—किसी अर्थव्यवस्था में उपलब्ध संसाधनों की मात्रा तथा उपलब्ध प्रौद्योगिकीय ज्ञान के द्वारा उत्पादित की जा सकने वाली सभी वस्तुओं तथा सेवाओं के सभी संभावित संयोगों के समूह को अर्थव्यवस्था की उत्पादन संभावनाएँ कहते हैं।

प्रश्न 3. सीमांत उत्पादन संभावना क्या है?

उत्तर—अर्थव्यवस्था में उपलब्ध संसाधनों की मात्रा तथा उपलब्ध प्रौद्योगिकीय ज्ञान के द्वारा उत्पादित की जा सकने वाली सभी वस्तुओं तथा सेवाओं के सभी संभावित संयोगों के समूह को अर्थव्यवस्था का उत्पादन संभावना सेट कहते हैं। इन उत्पादन संभावना सेटों अथवा समूह के आधार पर बनाए गए वक्र को सीमान्त उत्पादन संभावना कहते हैं।

प्रश्न 4. अर्थव्यवस्था की विषय-वस्तु की विवेचना कीजिए।

उत्तर—अर्थव्यवस्था की विषय-वस्तु का अध्ययन निम्न दो व्यापक शाखाओं के अन्तर्गत किया जा सकता है—

(1) व्यष्टि अर्थशास्त्र—व्यष्टि अर्थशास्त्र में विभिन्न आर्थिक अभिकर्ताओं के व्यवहार का अध्ययन कर बाजार में वस्तुओं एवं सेवाओं की मात्राओं एवं कीमतों का निर्धारण किया जाता है।

(2) समष्टि अर्थशास्त्र—समष्टि अर्थशास्त्र के अन्तर्गत हम कुल निर्गत, रोजगार तथा समग्र कीमत आदि समग्र उपायों पर अपना ध्यान केन्द्रित करते हुए पूरी अर्थव्यवस्था को समझने का प्रयास करते हैं।

प्रश्न 5. केन्द्रीकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था तथा बाजार अर्थव्यवस्था के भेद को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर—

केन्द्रीकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था	बाजार अर्थव्यवस्था
1. इसमें अर्थव्यवस्था के लगभग सभी क्रियाकलाप सरकार अथवा केन्द्रीय सत्ता द्वारा निर्धारित होते हैं।	1. इसमें अर्थव्यवस्था के लगभग सभी क्रिया-कलाप बाजार द्वारा निर्धारित होते हैं।
2. इसमें कीमतें सरकार द्वारा निर्धारित होती हैं।	2. इसमें कीमतें बाजार की माँग तथा पूर्ति की शक्तियों द्वारा निर्धारित होती हैं।

प्रश्न 6. सकारात्मक आर्थिक विश्लेषण से आपका क्या अभिप्राय है?

उत्तर—सकारात्मक आर्थिक विश्लेषण से अभिप्राय उस विश्लेषण से है, जिसके अंतर्गत हम यह अध्ययन करते हैं कि विभिन्न क्रियाविधियाँ किस प्रकार कार्य करती हैं।

प्रश्न 7. आदर्शक आर्थिक विश्लेषण से आपका क्या अभिप्राय है?

उत्तर—आदर्शक आर्थिक विश्लेषण से अभिप्राय उस विश्लेषण से है, जिसके अंतर्गत हम इस बात का अध्ययन करते हैं कि कौन-सी कार्यविधियाँ हमारे अनुकूल हैं और कौन-सी प्रतिकूल हैं।

प्रश्न 8. व्यष्टि अर्थशास्त्र तथा समष्टि अर्थशास्त्र में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर—

व्यष्टि अर्थशास्त्र	समष्टि अर्थशास्त्र
1. व्यष्टि अर्थशास्त्र में अर्थव्यवस्था की वैयक्तिक आर्थिक इकाइयों का अध्ययन किया जाता है।	1. समष्टि अर्थशास्त्र में अर्थव्यवस्था का वृहद् एवं एक समग्र के रूप में अध्ययन होता है।
2. अर्थशास्त्र की इस शाखा में वैयक्तिक उपभोग, वैयक्तिक कीमतों, वस्तुओं एवं सेवाओं के उत्पादन आदि का अध्ययन किया जाता है।	2. अर्थशास्त्र की इस शाखा में सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था के सामान्य मूल्य, कुल उपभोग, कुल उत्पादन और राष्ट्रीय आय आदि का अध्ययन किया जाता है।

3. व्यष्टि अर्थशास्त्र में विभिन्न बाजारों का अध्ययन किया जाता है।	3. समष्टि अर्थव्यवस्था में समग्र अर्थव्यवस्था का अध्ययन किया जाता है।
4. यह वैयक्तिक समस्याओं का समाधान एवं नीति प्रस्तुत करता है।	4. यह राष्ट्रीय या सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था की समस्या के समाधान एवं उचित नीति उपलब्ध कराता है।
5. व्यष्टि अर्थव्यवस्था का अध्ययन काफी सरल है।	5. समष्टि अर्थव्यवस्था का अध्ययन काफी जटिल है।
6. व्यष्टि अर्थशास्त्र का सम्बन्ध कीमत विश्लेषण से है।	6. समष्टि अर्थशास्त्र का सम्बन्ध आय विश्लेषण से है।
7. इस विश्लेषण का मुख्य उपकरण कीमत प्रणाली है।	7. इस विश्लेषण का मुख्य उपकरण राष्ट्रीय आय विश्लेषण है।
8. अत: व्यष्टि अर्थशास्त्र के अन्तर्गत हम बाजार में उपलब्ध विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं के परिप्रेक्ष्य में विभिन्न आर्थिक अभिकर्ताओं के व्यवहार का अध्ययन करके यह जानने का प्रयास करते हैं कि इन बाजारों में व्यक्तियों की अंत:क्रिया द्वारा वस्तुओं तथा सेवाओं की मात्राएँ और कीमतें किस प्रकार निर्धारित होती हैं।	8. अत: समष्टि अर्थशास्त्र में हम कुल निर्गत, रोजगार तथा समग्र कीमत स्तर आदि समग्र उपायों पर अपना ध्यान केन्द्रित करते हुए पूरी अर्थव्यवस्था को समझने का प्रयास करते हैं।

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. केन्द्रीकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था में महत्त्वपूर्ण निर्णय कौन लेता है? **(माध्य. शिक्षा बोर्ड, 2023)**
   (अ) सरकार (ब) बाजार
   (स) बैंक (द) उपभोक्ता
2. एक वस्तु की अधिक मात्रा प्राप्त करने के लिए दूसरी वस्तु की कुछ मात्रा छोड़नी पड़ती है। इसे कहते हैं—
   (अ) सामाजिक लागत (ब) अवसर लागत
   (स) स्पष्ट लागत (द) मौद्रिक लागत
3. किसी एक वस्तु की कुछ अतिरिक्त इकाइयों को प्राप्त करने हेतु दूसरी वस्तु की जितनी मात्रा छोड़नी पड़ती है, उसे कहा जाता है—
   (अ) मौद्रिक लागत (ब) कुल लागत
   (स) अवसर लागत (द) सामाजिक लागत
4. वह विश्लेषण जिसके अन्तर्गत हम यह अध्ययन करते हैं कि विभिन्न क्रियाविधियाँ किस प्रकार कार्य करती हैं, कहलाता है—
   (अ) आदर्शक विश्लेषण
   (ब) सकारात्मक आर्थिक विश्लेषण
   (स) मौद्रिक विश्लेषण
   (द) आंशिक विश्लेषण
5. वह विश्लेषण जिसके अन्तर्गत हम इस बात का अध्ययन करते हैं कि कौन-सी कार्यविधियाँ हमारे अनुकूल हैं और कौन-सी प्रतिकूल हैं, कहलाता है—
   (अ) आदर्शक विश्लेषण
   (ब) सामान्य विश्लेषण
   (स) सकारात्मक विश्लेषण
   (द) वास्तविक विश्लेषण
6. अर्थशास्त्र की वह शाखा जिसमें वैयक्तिक इकाइयों का विश्लेषण किया जाता है, कहलाती है—
   (अ) समष्टि अर्थशास्त्र
   (ब) व्यष्टि अर्थशास्त्र
   (स) मौद्रिक अर्थव्यवस्था
   (द) विकास का अर्थशास्त्र
7. अर्थशास्त्र की वह शाखा जिसमें समग्र अर्थव्यवस्था का अध्ययन किया जाता है, कहलाती है—
   (अ) व्यष्टि अर्थशास्त्र (ब) मौद्रिक अर्थशास्त्र
   (स) समष्टि अर्थशास्त्र (द) लोक वित्त अर्थशास्त्र